

अथ आयुर्धामः

आयुर्वेद क्लिनिक एवं पंचकर्म सेंटर

Dr. Parmeshwar Arora

M.D. (Ayurveda) B.H.U. Gold Medalist

C.C.Y.P. Diploma in Yoga (B.H.U.)

Ath Ardhari - 2 Capsules – thrice a day (before breakfast, lunch and dinner).

Please Note:

Because of wrong dietary habits and faulty life-style issues, headache has become very common. If not attended properly in initial stages, it can grow to more severe form of headache like Migraine etc. Of course these conditions make our life painful, but additionally, the pain killers taken to relieve these pains may further lead to dangerous side effects like kidney failure, liver dysfunction, gastritis etc.

We strongly recommend **Ath Ardhari** Capsules for taking care of all above mentioned conditions. Course of Medication may vary from 3 months to 6 months depending on the nature and severity of disease.

In severe condition of any of above mentioned issues, you may also take a classical Ayurvedic medicine – **Pathyadi Kwath** available at majority of Ayurvedic medicine shops: 4 tea-spoon (20 ml) with equal quantity of water – after lunch and dinner. Besides this you may also add **Lashunadi Vati** - 2 tablets twice a day after meals, along with **Pathyadi Kwath** for better results. Just to clarify – these two additional medicines can be taken along with **Ath Ardhari** – at the same time.

अर्धारी मात्रा :

अथ अर्धारी - २ कैप्सूल - दिन में तीन बार (नाश्ते, दिन के खाने और रात के खाने के पहले)

कृपया नोट करें:

गलत खान-पान और जीवन-शैली के कारण, सर का दर्द एक आम परेशानी चुकी है। अगर इस परेशानी का शुरुआत में ही इलाज ना किया जाए तो यह बढ़ कर माइग्रेन जैसी गंभीर परेशानी का रूप ले सकती है। सर दर्द के लिए ली जाने वाली अधिकतर दवाइयों से दर्द तो कम हो जाता है, लेकिन इनमे से अधिकतर दवाइयों के साइड इफेक्ट हो सकते हैं जो कि बढ़ने पर किडनी-फेलियर, लीवर की परेशानी और गैस की बिमारियों को जन्म दे सकती है।

ऐसे में हम **अथ-अर्धारी** लेने की सलाह देते हैं जो इन सब परेशानियों में आपकी सहायता कर सकता है। बिमारी के प्रकृति और तीव्रता के आधार पर अथ अर्धारी को ३ से ६ महीने के लिए लिया जाना चाहिए।

यदि समस्या अधिक हो तो **पथ्यादि क्वाथ** (आयुर्वेदिक क्लासिकल औषधि), जो कि अधिकतर आयुर्वेदिक दवाइयों की दुकान पर उपलब्ध हैं, का भी प्रयोग करें - ४ चम्मच (२० मि.ली.) - बराबर मात्रा में पानी के साथ - दिन में दो बार - दिन और रात के खाने के बाद। इसके अतिरिक्त **लशुनादि वटी** की २ गोलियां भी लेनी चाहिए। यह दोनों दवाइयां **अथ अर्धारी** के साथ साथ ली जा सकती हैं।